

बहुविद्य वि. (तत्.) बहुज्ञ, बहुत बातें जानने वाला, अच्छा जानकार।

बहुविध वि. (तत्.) अनेक प्रकार का।

बहुविवाह पुं. (तत्.) किसी पुरुष का एक पत्नी के जीवित रहने पर अन्य स्त्रियों से तथा स्त्री का अन्य पुरुषों से विवाह करना अथवा इसी प्रकार, एक पति अथवा पत्नी के रहते अन्य से वरण करना। polygamy

बहुशः क्रि.वि. (तत्.) बहुत, अधिक, अधिकता से, प्रचुरता से, बहुत तरह से, प्रायः बहुधा, अक्सर।

बहुशीर्ष वि. (तत्.) जीव. केंचुए या लावी की तरह के जीव जिनके अग्रभाग में बहुत से सूँडनुमा अंग होते हैं जिनके द्वारा वह दूसरे प्राणी आदि पर चिपक कर अपना भोजन लेता है।

बहुश्रुत वि. (तत्.) जिसने अनेक विद्वानों से ज्ञान प्राप्त किया हो, विविध शास्त्रों का ज्ञाता, बड़ा विद्वान, अनेक विषयों का ज्ञाता या जानकार, विज्ञ पुरुष, विद्वान।

बहुसंख्यक वि. (तत्.) संख्या/गिनती में बहुत अधिक, अनेक, तुलना में अधिक संख्या वाला, बहुसंख्य।

बहुस्वन वि. (तत्.) जो बहुत ध्वनियों का प्रतीक हो, बहुस्वर, कोलाहलपूर्ण पु. (तत्.) शंख, उल्लू।

बहू स्त्री. (तद्.) 1. वधू, नवविवाहिता स्त्री, पत्नी, दुलहिन 2. पुत्र, भतीजे या भानजे आदि की पत्नी, पुत्र वधू, पतोह।

बहेड़ा पुं. (तद्.) एक प्रकार का बड़ा वृक्ष जो वनों या पर्वतों में पाया जाता है और जिसके पत्ते छोटे होते हैं, उक्त का औषधोपयोगी फल, 'त्रिफला' का एक घटक।

बहेतू वि. (देश.) बहाने करने वाला, मनमाने ढंग से चारों तरफ घूमने वाला, इधर-उधर मारा-मारा फिरने वाला, इधर-उधर भटकने वाला, आवारा (धन आदि को) व्यर्थ नष्ट करने वाला, मुफ्त में या बिना परिश्रम मिलने वाला (धन आदि)।

बहेरी स्त्री. (देश.) बहाना, मिस, हीला, बहराना।

बहेलिया पुं. (तद्.) वह व्यक्ति जो चिड़ियों को पकड़ कर या मारकर बेचने से अपनी जीविका कमाता है, व्याध, चिड़ीमार।

बहोर पुं. (देश.) लौटाना, वापसी, 'बहुरना' का भाव, फेरा, चक्कर, पलटा, बहोरने का भाव वि. (देश.) गई वस्तु आदि को वापस लाने वाला या प्राप्त करने वाला क्रि.वि. पुनः, फिर, अनंतर, पश्चात्, पीछे।

बहोरना स.क्रि. (देश.) 1. गए हुए को फिर से उसी स्थान पर लाना, फेरना, लौटाना, वापस करना, लौटा लाना, चरने वाले पशुओं को घर की ओर हाँकना 2. संचित करना, बटोरना।

बांचक पुं. (तद्.) ठगने वाला, धृष्ट, धूर्त पाखंड करने वाला, वंचक, छली, धोखेबाज।

बांझ स्त्री. (तद्.) बंध्या, वह स्त्री या मादा जिसे संतान न होती हो या न हुई हो।

बांझपन पुं. (तद्.) बांझपना, बांझ होने का भाव, बंध्यात्व।

बांधव पुं. (तत्.) भाई-बंधु, निकट-संबंधी, स्वजन, रिश्तेदार, नातेदार।

बांबी स्त्री. (तद्.) 1. साँप का बिल 2. दीमक का बनाया हुआ मिट्टी का ढेर, भीटा, बल्मीक, बिमौट, बँबीठा।

बाँ पुं. (देश.) बार उदा. कै बाँ (=कितनी बार), दफा, बेर, गाय बैल के बोलने का शब्द-बाँ, बाँ।

बाँक वि. (तद्.) 1. बंक, वक्र, टेढ़ा, नदी का घुमाव, घुमावदार, मोड़ वाला, बाँका, तिरछा, टेढ़ापन 2. बाँक से लड़ने की कला 3. लुहारों का एक उपकरण स्त्री. (तद्.) 1. बंक, भुजदंड पर पहनने का एक आभूषण, एक प्रकार का चाँदी का गहना जो पैरों में पहना जाता है, हाथ में पहनने की एक प्रकार की पटरी या चौड़ी चूड़ी 2. कमान, धनुष, एक प्रकार की टेढ़ी भारी छुरी, गन्ना छीलने का औजार, किसी चीज को दबाकर रेतने का यंत्र।

बाँक-डोरी स्त्री. (देश.) एक प्रकार का शस्त्र।